SOCIAL STUDIES

Class 10th

(ECONOMICS)

Chapter 4: वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

प्रश्न 1. वैश्वीकरण से आप क्या समझते हैं? अपने शब्दों से स्पष्ट कीजिए।
उत्तर विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया ही वैश्वीकरण है। वैश्वीकरण का अर्थ एक ऐसी व्यवस्था से है जिसमें सभी देशों की अर्थव्यवस्थाएं विश्व की अन्य अर्थव्यवस्थाओं से परस्पर जुड़ी हुई हों।

प्रश्न 2. भारत सरकार द्वारा विदेशी व्यापार एवं विदेशी निवेश पर अवरोधक लगाने के क्या कारण थे? इन अवरोधकों को सरकार क्यों हटाना चाहती थी?
उत्तर भारत सरकार द्वारा विदेश व्यापार एवं विदेशी निवेश पर अवरोधक लगाने के निम्नलिखित कारण थे-

1. उस समय देश के उत्पादक विदेशियों से प्रतिस्पर्धा करने योग्य नहीं थे।
2. भारत के नये उद्योगों को संरक्षण देने के लिए ऐसे अवरोधक लगाए गए थे।

बाद में सरकार इन अवरोधकों को इसलिए हटाना चाहती थी क्योंकि भारतीय उत्पादक विदेशियों से प्रतिस्पर्धा करने योग्य हो गये थे। भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए उदारीकरण जरूरी हो गया था।।

प्रश्न 3. श्रम कानूनों में लचीलापन कंपनियों को कैसे मदद करेगा?
उत्तर श्रम कानूनों में लचीलापन कंपनियों को निम्न प्रकार से मदद करेगा-

1. श्रम कानूनों में लचीलापन से कंपनियाँ अतिरिक्त मजदूरों को हटा सकती है ।
2. ऐसा करने से उसके खर्च में कभी आएगी और कम्पनियों का लाभ बढ़ेगा।
3. लाभ की स्थिति में विदेशी निवेश बढ़ेगा।
4. श्रम कानूनों में लचीलापन से कंपनियाँ अपना विस्तार कर सकेगी।

प्रश्न 4. दूसरे देशों में बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ किस प्रकार उत्पादन पर नियंत्रण स्थापित करती हैं ?
उत्तर: दूसरे देशों में बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ निम्न प्रकार से उत्पादन पर नियंत्रण स्थापित करती हैं-

1. बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ उन देशों में अपने कारखाने स्थापित करती हैं जहाँ उन्हें सस्ते मजदूर मिल सकते हैं।
2. इससे उनकी उत्पादन लागत कम रहती है और लाभ की संभावना अधिक रहती है।
3. अधिकतर बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने एकाधिकार स्थापित करने के लिए छोटी छोटी कंपनियों को खरीद लेती हैं।
4. बहुराष्ट्रीय कंपनियां स्थानीय उत्पादकों से माल तैयार करवाती हैं और उस माल को अपने ब्रांड के नाम से ग्राहकों को बेचती है।

प्रश्न 5. विकसित देश, विकासशील देशों से उनके व्यापार और निवेश का उदारीकरण क्यों चाहते हैं? क्या आप मानते हैं कि विकासशील देशों को भी बदले में ऐसी माँग करनी चाहिए?
उत्तर विकसित देश, विकासशील देशों से उनके व्यापार और निवेश का उदारीकरण इसलिए चाहते हैं।

1. इससे विकसित देशों को अपना माल बेचने में आसानी होती है।
2. उदारीकरण से विकसित देशों को अधिक लाभ होता है।
3. उदारीकरण से विकसित देशों के विदेशी व्यापार में वृद्धि होती है

मेरा मानना है कि विकासशील देशों को भी बदले में ऐसी माँग करनी चाहिए ताकि वे भी अपने सामान को बिना रुकावट के विकसित देशों में बेच सकें।

प्रश्न 6. वैश्वीकरण का प्रभाव एक समान नहीं है। इस कथन की अपने शब्दों में व्याख्या कीजिए।
उत्तर निसंदेह वैश्वीकरण का प्रभाव सब देशों पर एक समान नहीं पड़ा।

- विकसित देशों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों को इसका बहुत अधिक लाभ हुआ है।
- विकासशील देशों में भी टेक्नोलॉजी का विस्तार हुआ है ।
- परंतु स्थानीय व छोटे उद्योगपति और श्रमिकों को इससे काफी नुकसान हुआ है
- वैश्वीकरण से बहुराष्ट्रीय कंपनियों का एकाधिकार स्थापित हो गया है।
- वैश्वीकरण का ग्राहकों को निश्चित रूप से बहुत अधिक लाभ हुआ है क्योंकि अब वस्तुओं के मूल्य में गिरावट आई है।
- वैश्वीकरण से गरीब देशों को बहुत अधिक नुकसान हुआ है क्योंकि उनकी अर्थव्यवस्था काफी कमजोर हो गई है।

प्रश्न 7. व्यापार और निवेश नीतियों का उदारीकरण वैश्वीकरण प्रक्रिया में कैसे सहायता पहुँचाती है?
उत्तर व्यापार और निवेश नीतियों का उदारीकरण से वैश्वीकरण प्रक्रिया को बहुत अधिक बढ़ावा मिलता है।

1. उदारीकरण से विदेशी व्यापार में वृद्धि होती है।
2. उदारीकरण की वजह से बहुराष्ट्रीय कंपनियां देश में अपने उद्योग स्थापित करती है।
3. उदारीकरण से विदेशी निवेश बढ़ता है।
4. इन सब के कारण वैश्वीकरण की प्रक्रिया मजबूत होती है।

अतः व्यापार और विदेश नीतियों का उदारीकरण वैश्वीकरण की प्रक्रिया में बहुत सहायता पहुंचाता है।

प्रश्न 8. विदेश व्यापार विभिन्न देशों के बाजारों के एकीकरण में किस प्रकार मदद करता है? यहाँ दिए गए उदाहरण से भिन्न उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।
उत्तर विदेशी व्यापार विभिन्न देशों के बाजारों के एकीकरण में निम्नलिखित प्रकार से मदद करता है

1. विदेशी व्यापार के कारण विभिन्न देशों के बाजारों में अन्य देशों का माल भी पहुंच जाता है।
2. विदेशी व्यापार के कारण के बाजारों में वस्तुओं की कीमतों में एकरूपता आती है।
3. प्रतिस्पर्धा के कारण माल की गुणवत्ता बढ़ती है।

उदाहरण के लिए कंप्यूटर बनाने वाली मुख्य कम्पनियाँ अमेरिका और यूरोप में हैं। इन देशों में उत्पाद का डिजाइन तैयार होता है। कंप्यूटर के अलग अलग पार्ट मलेशिया, चीन और ताइवान में बनते हैं और उन्हें चीन या भारत में एसेंबल किया जाता है। फिर अंतिम उत्पाद को पूरी दुनिया में बेचा जाता है। यह उदाहरण विश्व के कई बाजारों के एकीकरण को दर्शाता है।

प्रश्न 9. वैश्वीकरण भविष्य में जारी रहेगा। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि आज से बीस वर्ष बाद विश्व कैसा होगा? अपने उत्तर का कारण दीजिए।
उत्तर वैश्वीकरण भविष्य में जारी ही नहीं रहेगा बल्कि तेज गति से बढ़ेगा। हम कल्पना कर सकते हैं कि आज से 20 वर्ष बाद विश्व में निम्नलिखित परिवर्तन होंगे-

1. वैश्वीकरण की वजह से टेक्नोलॉजी विश्व के हर कोने में पहुंच जाएगी।
2. वैश्वीकरण की वजह से वस्तुओं की गुणवत्ता उच्चतम स्तर पर होगी।
3. कोई भी व्यक्ति विश्व के किसी कोने में बैठ के अपना सामान मंगवा सकेगा।
4. वैश्वीकरण के कारण वस्तुओं के मूल्य में एकरूपता आ जाएगी।
5. वैश्वीकरण की वजह से विश्व के सभी बाजारों में सभी देशों के सामान दिखाई देने लगेंगे।

प्रश्न 10. मान लीजिए कि आप दो लोगों को तर्क करते हुए पाते हैं - एक कह रहा है कि वैश्वीकरण ने हमारे देश के विकास को क्षति पहुँचाई है, दूसरा कह रहा है कि वैश्वीकरण ने भारत के विकास में सहायता की है। इन लोगों को आप कैसे जवाब देगें ?

उत्तर मैं उन लोगों से कहूंगा कि वैश्वीकरण ने निश्चित रूप से भारत के विकास में सहायता की है।

1. वैश्वीकरण की वजह से भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है।
2. वैश्वीकरण के कारण नई नई टेक्नोलॉजी का विकास हुआ है।
3. वैश्वीकरण की वजह से विदेशी व्यापार बड़ा है ।
4. वैश्वीकरण की वजह से बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं।
5. वैश्वीकरण की वजह से व्यापार में प्रतिस्पर्धा बढ़ी है ।
6. वैश्वीकरण के कारण वस्तुओं के मूल्य में एकरूपता आई है ।
7. वैश्वीकरण की वजह से छोटे छोटे व्यापारी भी अपने सामान को विदेशों में बेच पा रहे हैं।

प्रश्न 11. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

दो दशक पहले की तुलना में भारतीय खरीददारों के पास वस्तुओं के अधिक विकल्प हैं। यह.....की प्रक्रिया से नजदीक से जुड़ा हुआ है। अनेक दूसरे देशों में उत्पादित वस्तुओं को भारत के बाजारों में बेचा जा रहा है। इसका अर्थ है कि अन्य देशों के साथ..... बढ़ रहा है। इससे भी आगे भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा उत्पादित ब्रांडों की बढ़ती संख्या हम बाजारों में देखते हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ भारत में निवेश कर रही हैं क्योंकि..... जबकि बाज़ार में उपभोक्ताओं के लिए अधिक विकल्प। इसलिए बढ़ते .....और .....के प्रभाव का अर्थ है, उत्पादकों के बीच अधिकतम..... ।

उत्तर: 1.वैश्वीकरण 2.व्यापार 3.यहाँ उन्हें अच्छा खरीददार मिल रहे हैं,
4.विदेशी व्यापार 5.उदारीकरण 6. प्रतिस्पर्धा

MUKUTclasses

प्रश्न 12. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए

(क) बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ छोटे उत्पादकों से सस्ते दरों (ख) आयात पर कर और कोटा का उपयोग, व्यापार (ग) विदेशों में निवेश करने वाली भारतीय कंपनियाँ । (घ) आई०टी० ने सेवाओं के उत्पादन के प्रसार में सहायता की है। (ङ) अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने उत्पादन करने के लिए निवेश किया है।	(अ) मोटर गाड़ियों पर खरीदती हैं। (ब) कपड़ा, जूते-चप्पल, खेल के सामान नियमन के लिए किया जाता है। (स) कॉल सेंटर (द) टाटा मोटर्स, इंफोसिस, रैनबैक्सी (य) व्यापार अवरोधक

उत्तर (क) ब (ख) य (ग) द (घ) स (ङ) अ ।

प्रश्न 13. सही विकल्प का चयन कीजिए

(i) वैश्वीकरण के विगत दो दशकों में द्रुत आवागमन देखा गया है

- (क) देशों के बीच वस्तुओं, सेवाओं और लोगों का
- (ख) देशों के बीच वस्तुओं, सेवाओं और निवेशों का
- (ग) देशों के बीच वस्तुओं, निवेशों और लोगों का ।

(ii) विश्व के देशों में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा निवेश का सबसे अधिक सामान्य मार्ग है

- (क) नए कारखानों की स्थापना
- (ख) स्थानीय कंपनियों को खरीद लेना।
- (ग) स्थानीय कंपनियों से साझेदारी करना।

(iii) वैश्वीकरण ने जीवन स्तर के सुधार में सहायता पहुँचाई है

- (क) सभी लोगों के
- (ख) विकसित देशों के लोगों के
- (ग) विकसित देशों के श्रमिकों के
- (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (i) (ग) देशों के बीच वस्तुओं, निवेशों और लोगों का
(ii) (ग) स्थानीय कंपनियों से साझेदारी करना
(iii) (क) सभी लोगों के

MUKUTclasses